SJIF 2016 : 4.44
ISSN: 2348-3083
UGC APPROVED SR. NO. 48612
An International Peer Reviewed & Referred
SCHOLARLY RESEARCH JOURNAL FOR
HUMANITY SCIENCE & ENGLISH LANGUAGE

Tkuin fVgjh x<oky ¼mRrjk[k.M½ e efgyk Ik{kjrk nj dh fLFkfr leL;k ,o lek/kku ¼& ,d fo'yश.kkRed v/;;u

edश्k j;ky

भूगोल डी.ए.वी., पी.जी. कालेज, देहरादून।

Abstract

प्रस्तुत शोधपत्र जनपद टिहरी गढ़वाल (उत्तराखण्ड) में महिला f'kक्षा की स्थिति समस्या एवं समाधान पर आधारित है। अध्ययन से स्पष्ट होता है, कि जनपद टिहरी गढ़वाल सन् 1949 में उत्तर प्रदे"ा राज्य का हिस्सा बना। इसके पूर्व यहॉ सैकड़ों वर्षों तक राजतन्त्र शासन व्यवस्था रही। लम्बे समय तक राजतन्त्रीय शासन व्यवस्था एवं यहाँ की भौगोलिक परिस्थितियों के कारण महिला f'kक्षा व्यवस्था पर वि"ोष ध्यान नहीं दिया गया। सन् 1949 में उत्तर प्रदे"ा का हिस्सा बननें और राजतन्त्रीय शासन व्यवस्था समाप्त होने के बाद धीरे–धीरे महिला f'kक्षा पर ध्यान दिया गया। जहाँ सन् 1991 में महिला साक्षरता दर 26.34% व 2001 में महिला साक्षरता दर 49.42% थी। वहीं सन् 2011 में बढ़कर 64.28% हो गयी है, लेकिन अभी भी जनपद में महिला f'kक्षा की स्थिति संतोषजनक नहीं है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार महिला एवं पुरूष साक्षरता दर में 25.48% का अन्तर है। इसलिए महिला f'kक्षा पर वि"ोष ध्यान देने की आव"यकता हैं। वि"ोष प्रोत्साहन शैक्षिक नीति एवं सुविधाओं के द्वारा महिलाओं की शैक्षिक स्थिति में सुधार लाया जा सकता हैं।

Scholarly Research Journal's* is licensed Based on a work at *www.srjis.com

❖ iLrkouk%& संस्कृत में यह उक्ति प्रसिद्व है "ukfLr fo|kle p{kukfLr ekr lekx#% इस दुनिया में विद्या के समान दुसरा कोई नेत्र नही है, और माता के समान गुरू कोई नही है। यह बात पूरी तरह सत्य है, कि बच्चों के विकास पर प्रथम और सबसे अधिक प्रभाव उसकी माता का ही पड़ता है। कहा भी जाता है, कि यदि एक पुरूष f'kक्षित होगा तो उसका लाभ एक ही परिवार को मिलता है, लेकिन यदि एक महिला f'kक्षित हो तो उसका लाभ दो परिवारों को मिलता है। वर्तमान परिदृ"य में देखा जाय तो महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरूषों से पीछे नही हैं, लेकिन जब हम तुलनात्मक अध्ययन करते हैं तो पाते है, कि वि"ोषकर ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं का अभी पूर्ण रूप से स"ाक्तिकरण नही हुआ है। आज भी उनके साथ भेदभाव पूर्ण व्यवहार किया जाता है। इसलिए महिलाओं के साथ भेदभाव पूर्ण व्यवहार को समाप्त करने एवं उनके पूर्ण रूप से स"ाक्तिकरण के लिए f'kक्षा ही स"ाक्त माध्यम है।

❖ v/;;u {k=%& ”ाोधकार्य का अध्ययन क्षेत्र भारत के सुदूर उत्तर पूर्वी भाग में स्थित उत्तराखण्ड राज्य के उत्तर–पॅ”चमी भाग में स्थित जनपद टिहरी गढ़वाल है। इस अध्ययन क्षेत्र का विस्तार 30^{o} 31´ से 30^{o} 53´ उत्तरी अक्षां”ा तथा 77^{o} 56´ से 79^{o} 04´ पूर्वी दे”ाान्तर तक है। जनपद टिहरी गढ़वाल का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 3642 वर्ग कि0मी0 है। टिहरी गढ़वाल के उत्तर में उत्तरका”ाी जनपद, पूर्व में रुद्रप्रयाग, पॅ”चम में देहरादून तथा दक्षिण पूर्व में पौड़ी गढ़वाल जनपद स्थित है।

जनपद की कुल जनसंख्या 2011 की जनगणना के अनुसार 6,18,931 व्यक्ति हैं। जिसमें 2,97,986 पुरूष तथा 3,20,945 महिलाएं हैं। जनपद टिहरी गढ़वाल में 9 विकासखण्ड, 12 तहसील, 2 उप–तहसील, 75 न्याय पंचायत, 1038 ग्राम पंचायत, 1764 आबाद गाँव 72, गैर आबाद गाँव एवं 26 वन ग्राम तथा कुल ग्रामों की संख्या 1862 है। कुल जनसंख्या के सापेक्ष 88.63% जनसंख्या ग्रामीण तथा 11.37% जनसंख्या नगरीय है।

❖ v/;;u dh ifjdYiuk%& यह सर्वविदित है, कि ”िाक्षा मानव समाज के विकास की आधारभूत नींव होती है, लेकिन अध्ययन क्षेत्र में सरकार के विभिन्न प्रयासों के बावजूद महिला ”िाक्षा की स्थिति संतोषजनक नही है। वि”ोष प्रोत्साहन एवं सुविधाओं के द्वारा महिलाओं की शैक्षिक स्थिति में सुधार लाया जा सकता है।

❖ v/;;u dk mn~n”;%&

1 महिलाओं और पुरूषों की शैक्षिक स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

2- महिलाओं की साक्षरता दर पुरूषों की तुलना में कम रहनें के कारणों का अध्ययन करना।

❖ fof/krU=%& आकडों का संग्रहण प्राथमिक एवं द्वितीयक आंकडों पर आधारित हैं। प्राथमिक आंकड़ें प्र”नावली व साक्षात्कार के माध्यम से एकत्रित किये गये हैं। जनपद टिहरी गढवाल के 9 विकासखण्डों के अन्तर्गत प्रत्येक विकासखण्ड से दो –दो गावों को लेकर कुल 18 गॉवों का चयन किया गया। द्वितीयक आंकड़े जिला सूचना केन्द्र, (टिहरी), जिला सांख्यिकीय पत्रिका एवं जनपद टिहरी गढ़वाल के अन्य सम्बन्धित कार्यालयों से एकत्रित किये गये हैं।

❖ lk{kjrk nj%& साक्षरता एक वैयक्तिक गुण है। इससे किसी व्यक्ति की पढ़ने एवं लिखने की योग्यता का बोध होता है। साक्षरता से किसी दे”ा के सामाजिक, आर्थिक, एवं सांस्कृतिक प्रगति का मार्ग प्र”ास्त होता हैं।

साक्षरता को निम्न सूत्र से ज्ञात किया जाता है।

lk{kjrk nj ¾ dqy lk{kj tula[;k × 100

dqy tula[;k

lkj.kh u0&1 tuin fVgjh x<oky esa lk{kj O;fDr rFkk lk{kjrk nj o efgyk ,oa iq:श्k lk{kjrk nj esa vUrj ¼oर्श 1991 ls 2011½

वर्श	lk{kj O;fDr			lk{kjrk dk izfr"kr			efgyk ,oa पुरूश lk{kjrk nj esa vUrj
	पुरूश	Ekfgyk	dqy O;fDr	पुरूश	Ekfgyk	dqy O;fDr	
1991	147153	57327	204480	72.06	26.34	48.47	45.72
2001	208251	129565	337816	85.33	49.42	66.73	35.91
2011	227406	180588	407994	89.76	64.28	76.36	25.48

Lkzksr& जिला सांख्यिकीय पत्रिका 2015 (जनपद टिहरी गढ़वाल)

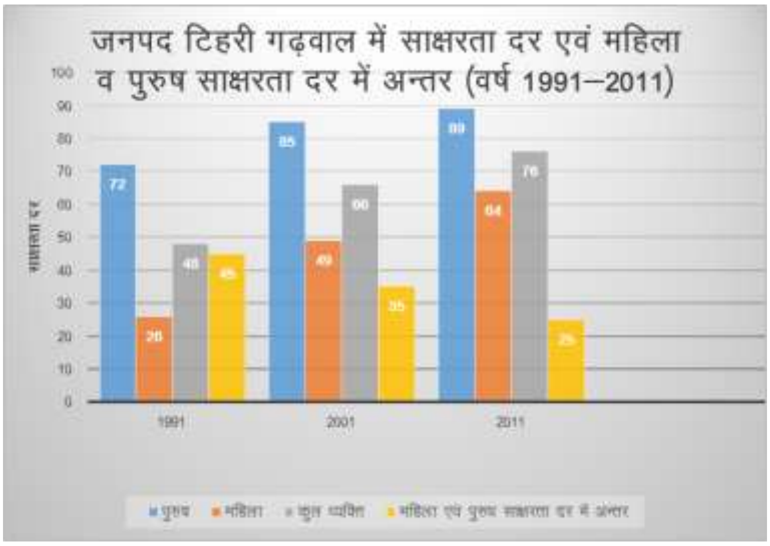

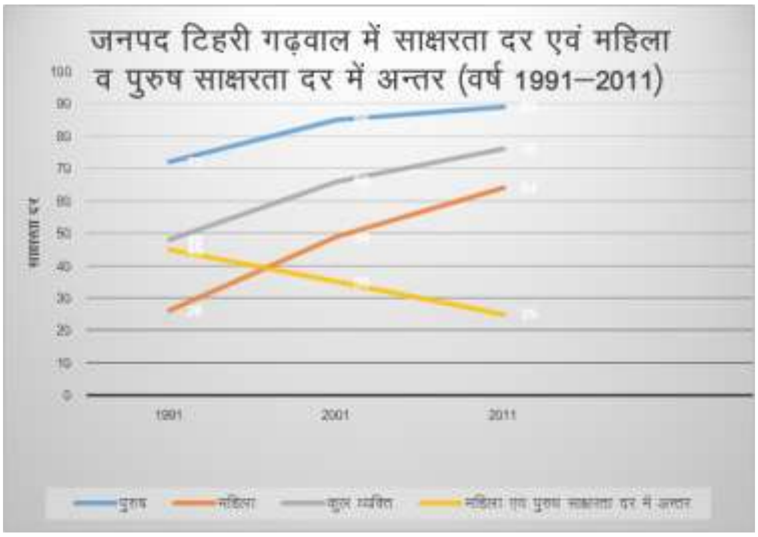

सारणी नं0 1 के अध्ययन से स्पष्ट होता है, कि सन् 1991 में पुरूष साक्षरता दर 72.06% तथा महिला साक्षरता दर मात्र 26.34% थी। वहीं सन् 2001 में पुरूष साक्षरता दर 85.33% तथा महिला साक्षरता दर 49.42% थी, जबकि सन् 2011 में पुरूष_साक्षरता दर 89.76% तथा महिला साक्षरता दर 64.28% है। सन् 2011 की जनगणना के अनुसार पुरूष एवं महिला साक्षरता दर में 25.48% का अन्तर है। इससे स्पष्ट होता है, कि अभी भी जनपद टिहरी गढ़वाल में पुरूषों के सापेक्ष महिला साक्षरता दर बहुत कम हैं।

lkj.kh ua0 2 tuin fVgjh x<oky e fodkl [k.Mokj lk{kj 0;fDr rFkk lk{kjrk nj ,o efgyk vkj iq:"k lk{kjrk nj e vUrj ¼o"kZ 2011½

fodkl [k.M	lk{kj 0;fDr			lk{kjrk dk izfr"kr			efgyk ,o iq:"k lk{kjrk nj e vUrj
	iq:"k	Efgyk	dqy 0;fDr	iq:"k	Efgyk	dqy 0;fDr	
izrkiuxj	23023	17215	40238	92.33	60.64	75.46	31.69
fHkyaxuk	35825	30601	66426	87.30	58.30	71.02	29.00
tk[k.kh/kkj	16478	14423	30901	89.01	63.54	78.98	25.47
tkSuiqj	26798	19409	46207	87.88	63.13	75.45	24.75
FkkSy/kkj	15145	12932	28077	88.94	63.81	75.28	25.13
PkEck	19365	16167	35532	92.20	67.66	79.14	24.54
ujUnzuxj	23373	17391	40764	88.44	61.37	74.43	27.07
nsoiz;kx	17965	14403	32368	87.20	58.92	71.85	28.28
dhfrZuxj	17092	14718	31810	91.53	68.48	79.20	23.05
leLr fodkl [k.M	195064	157259	352323	89.19	62.22	74.73	26.97
ou {ks=	292	161	453	87.43	60.07	75.25	27.36
uxjh; {ks=	32050	23168	55218	93.43	83.05	88.77	10.38
dqy ;ksx	227406	180588	407994	89.76	64.28	76.36	25.48

L=ksr& जिला सांख्यिकीय पत्रिका 2015 (जनपद टिहरी गढवाल)

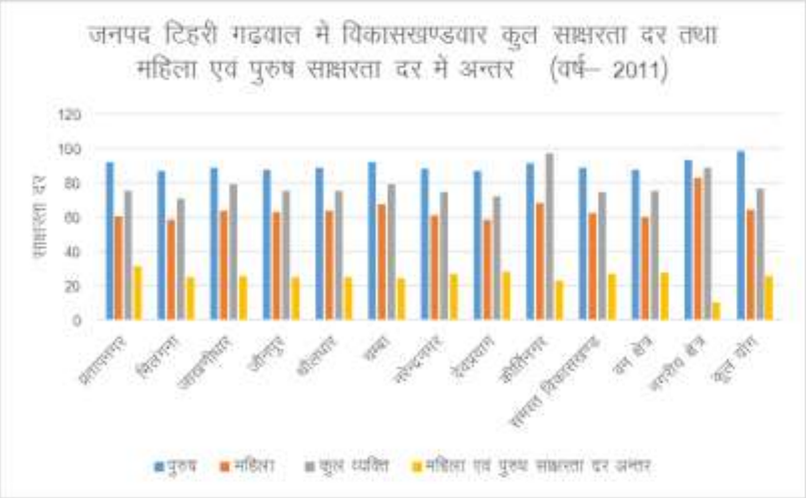

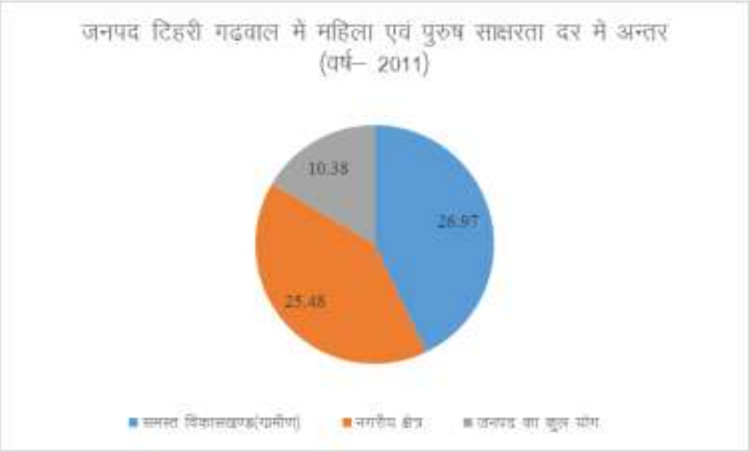

अध्ययन से स्पष्ट होता है, कि जनपद टिहरी गढवाल में वर्ष 2011 की जनगणना से अनुसार प्रतापनगर विकासखण्ड में महिला साक्षरता 60.64%, भिलंगना में 58.30%, जाखणीधार में 63.54%, जौनपुर में 63.13%, थौलधार में 63.8%, चम्बा में 67.66%, नरेन्द्रनगर में 61.37%, देवप्रयाग में 58.92%, कीर्तिनगर में 68.48% है। भिलंगना विकासखण्ड में सबसे कम 58.33% महिला साक्षरता दर है। तथा कीर्तिनगर विकासखण्ड में सबसे अधिक 68.48% महिला साक्षरता दर है। सभी विकासखण्डों में महिला और पुरूष साक्षरता दर में औसतन 23% से 31% तक अन्तर है। जो यह द"ार्ता है, कि वर्तमान में भी जनपद टिहरी गढ़वाल के ग्रामीण क्षेत्रों में महिला f"ाक्षा की स्थिति संतोषजनक नही।

lkj.kh u0 3 tuin fVgjh x<oky dk uxjh; {k=ksa esa lk{kj O;fDr rFkk lk{kjrk dk ifr"kr ,oa iq:'k vkj efgyk lk{kjrk nj esa vUrj ¼o"kZ 2011½

uxjh; {k=	Lkk{kj O;fDr			Lkk{kjrk nj			Ekfgyk ,oa पुरुश lk{kjrk nj esa vUrj
	पुरुश	Ekfgyk	dqy O;fDr	पुरुश	Efgyk	dqy O;fDr	
कीर्तिनगर	650	459	1109	79.08	84.53	81.25	-5.45
देवप्रयाग	999	795	1761	97.67	85.30	91.67	12.37
टिहरी	11260	8236	19496	95.28	84.79	90.55	10.49
चम्बा	3306	2714	6020	91.71	85.99	89.04	5.72
नरेन्द्रनगर	2988	1968	4956	92.91	85.01	89.60	7.90
मुनि की रेती	5041	2998	8039	88.61	80.85	85.55	7.76
ढालवाला	7839	5998	13837	96.01	79.67	88.17	16.34
योग	32050	23168	55218	93.43	83.05	88.77	10.38

Lkksr& जनगणना हस्त पुस्तिका जनपद टिहरी गढवाल 2011

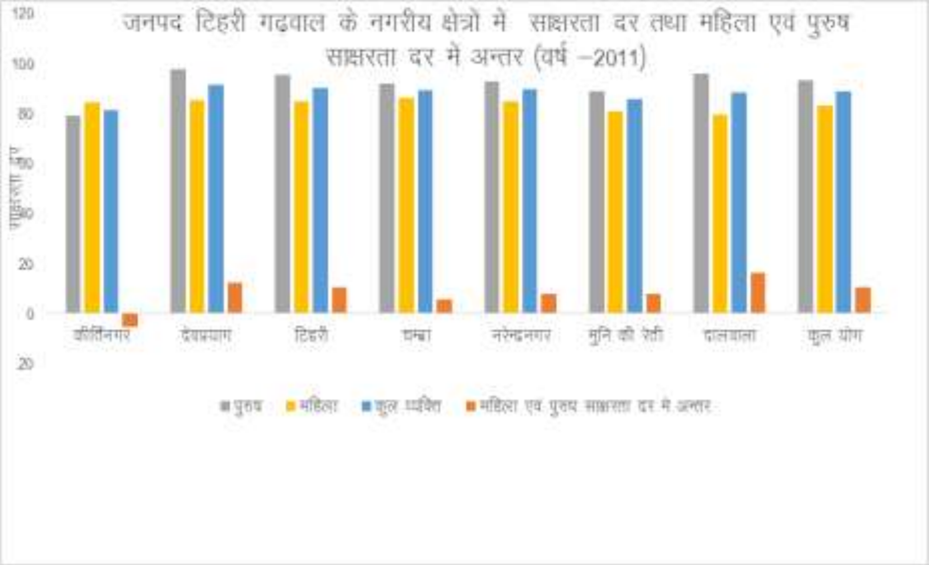

सारणी नं0 3 के अध्ययन से स्पष्ट होता है, कि कीर्तिनगर में महिला साक्षरता 84.53%, देवप्रयाग में 85.3%, टिहरी में 84.79%, चंबा में 85.99%, नरेन्द्रनगर में 85.01%, मुनि की रेती में 80.85%, ढालवाला में 79.67% है। नगरीय क्षेत्रों में महिला साक्षरता 83.05% है। उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है , कि जनपद टिहरी गढ़वाल के ग्रामीण क्षेत्र के अपेक्षा नगरीय क्षेत्र में महिला साक्षरता दर ज्यादा हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा नगरीय क्षेत्र में एवं ज्यादा बेहतर सुविधाएं एवं जन–जागरूकता होने के कारण महिला साक्षरता दर ज्यादा पायी जाती है।

- ***Ekfgykvk की साक्षरता दर पुरुश की अपेक्षा कम होने के कारण–***
  - जनपद टिहरी गढ़वाल में महिलाओ की साक्षरता दर पुरूष के सापेक्ष बहुत कम है। इसके कम होने के निम्नलिखित कारण है–
  - जनपद टिहरी गढ़वाल की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण लोग अपनी लड़कियों को स्कूल नही भेज पाते हैं।
  - जनपद मे अधिकां"ा परिवारों की आय का स्रोत कृषि होने के कारण प्रायः लड़कियां कृषि कार्य मे संलग्न रहती है, जिसके कारण वह अपनी पढ़ाई जारी नही रख पाती हैं।
  - "िाक्षा के महत्व एवं जन–जागरूकता का अभाव।
  - लड़कियों की कम आयु मे शादी का हो जाना।
  - लड़कियों को आज भी पराया धन तथा बोझ समझना।
  - जनसंख्या के सापेक्ष बालिका विद्यालय कम होना।
  - लड़कियों की अपेक्षा लड़कों की "िाक्षा को ज्यादा महत्व देना।
  - आर्थिक स्थिति बेहतर न होना ।

❖ Ekfgykvksa dh 'kSf{kd fLFkfr dks csgrj djus ds fy, lq>ko&

- जनपद टिहरी गढ़वाल में महिलाओं की शैक्षिक स्थिति बहुत अच्छी नही है,महिलाओं की शैक्षिक स्थिति बेहतर करने के लिये निन्मलिखित उपाय या प्रयास किये जाने चाहिये ।
- महिला f"k्षा का महत्व एवं आव"यकता के प्रति ग्रामीण समाज में जन–जागरूकता का प्रयास किया जाना चाहिये।
- जनसंख्या सापेक्ष के बालिका विद्यालयों की संख्या में बढोत्तरी की जानी चाहिए ।
- कुछ लोग विकट भौगोलिक परिस्थितियों के कारण अपने बच्चों को दूर स्कूल नही भेज पाते, इसलिए स्कूल तक आने जाने के लिए परिवहन सुविधाओं का विकास किया जाना चाहिए।
- प्रंत्येक विद्यालय में बालिका शौचालय की सुविधा उपलब्ध करायी जाए।
- महिलाओं की शैक्षिक स्थिति बेहतर बनाने हेतु वि"ोष प्रोत्साहन नीति बनाई जाए।
- f"k्षा का अधिकार अधिनियम 2005 ;त्ज्म्द्ध को 12वीं कक्षा तक लागू किया जाना चाहिए।

fu"d"kZ

जनपद टिहरी गढ़वाल में महिलाओं की साक्षरता दर पुरूषों के सापेक्ष बहुत कम है। 1991 की जनगणना के अनुसार जनपद में महिला साक्षरता दर मात्र 26.34% थी। 2001 में बढकर 49.42% हो गई तथा 2011 की जनगणना के अनुसार महिला साक्षरता दर बढकर 64.28% हो गई है। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो जनपद में पुरूषों की साक्षरता दर 89.76% तथा महिलाओं की साक्षरता दर 64.28% है। पुरूषो के सापेक्ष महिलाओं की साक्षरता दर 25.48% कम है। उत्तराखण्ड के अन्य जिलों की महिला साक्षरता दर के सापेक्ष भी जनपद टिहरी गढ़वाल की महिला की साक्षरता दर उत्तरका"ाी जनपद के बाद सबसे कम है। इसलिए जनपद में महिला साक्षरता दर बढाने हेतु वि"ोष प्रयास किये जाने चाहिए।

❖ lUnHkZ xzUFk lwph

प्रो0 डी0डी0 मैठानी, डॉ गायत्री प्रसाद, डॉ राजे"ा नौटियाल– उत्तराखण्ड का भूगोल शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
डॉ एल0डी0 मौर्य – जनसंख्या भूगोल।
जिला सांख्यिकीय पत्रिका, जिला टिहरी गढ़वाल 2015।
जिला जनसंख्या हस्त पुस्तिका, जिला टिहरी गढ़वाल (2001)।
जे0सी0 अग्रवाल – भारत में नारी f"k्षा, प्रभात प्रका"ान।